Ground report 13

बेहतर आपदा प्रतिक्रिया के लिए तत्काल आवश्यकता

GARRD - एक परिचय

पिछले कुछ वर्षों में आपदाएं और भी तीव्र और व्यापक हो गयी हैं, लेकिन हर बार जब चक्रवात, बाढ़ या सूखा पड़ता है तो विश्व इसे मानव अवस्था के अंतर्निहित भाग की अपेक्षा एक पृथक घटना मानता है। हाल ही में आए बाढ़/चक्रवात से पहले भी देश भर में सबसे वंचित लोग निरंतर अत्यधिक असुरक्षित संकट की स्थिति में रह रहे थे लेकिन विश्व मे किसी ने इसे एक गंभीर आपदा के रूप में नहीं देखा। कोविड ने गरीबी की इस गंभीर आपदा और उसके अन्याय, असमता और शोषण के परिणामों को उजागर कर सबके सामने लाया है।

"लाखों लोगों के लिए 'गरीबी' सबसे बड़ी निरंतर आपदा है। आखिर हम लोगों के साथ खड़े होने के लिए, उनकी मदद करने के लिए एक आपदा की प्रतीक्षा क्यों करते हैं?"

अंशू गुप्ता, संस्थापक, गूँज

राहत कोविद: कार्यक्षेत्र की मुख्य गतिविधियां:

- 25 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशो में काम।
- 3 लाख किलो से अधिक राशन और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई गई
- 1,63,000+ किलो ताज़ा सब्जियां एवं फल स्थानीय किसानो से खरीदा गया
- 6,50,000+ फेस मास्क और कपडे से बने सेनेटरी पैड
- 1,800+ डीग्निटी फांर वर्क (DFW) पहल

आपदाओं में त्वरित प्रतिक्रिया हेतु गूँज संधि (GARRD - Goonj Alliance for Rapid Response on Disasters)

यह आपदा का इंतजार ना करते हुए, अगली आपदा आने से पहले आपदा प्रबंधन का काम शुरू करने की एक सोच है। यह सामान्य स्थिति में आपदा प्रभंधन की तैयारी करना दर्शाता है, ताकि जब आपदा का सामना हो तो उसके दुष्प्रभाव को कुछ कम किया जा सके।

इसी विषय पर गूँज का योगदान हाल ही में संकट से लेकर प्रणाली में बदलाव के बारे में एक वैश्विक रिपोर्ट में सम्मिलित किया गया जो संयुक्त राष्ट्र में प्रस्तुत की गई है।

https://drive.google.com/file/d/1h9bBzgENk2IOg454eRZrWQ_SfMjOtdqF/view

GARRD की विशेषताएं

आपदा प्रतिक्रिया के लिए प्रतिबद्ध शहरी और ग्रामीण सहभागिता:

पिछले दो दशकों से हमारी आपदा प्रतिक्रिया का नेतृत्व एक ओर छोटे व ग्रामीण स्तर के संगठनों द्वारा किया जा रहा है और दूसरी ओर शहरी FMCG, कार्पोरेट, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा व्यक्तियों के साथ शहरी और ग्रामीण साझेदारी के मजबूत नेटवर्क द्वारा किया जाता है। GARRD आपदा प्रतिक्रिया के इन दो स्तंभों के बीच अधिक ध्यान और सहयोग प्रदान करेगा।

उपेक्षित आपदाओं और कारणों की ओर ध्यान देना: एक आपदा की परिभाषा को फिर से विकसित करने की जरूरत पर बल देना। GAARD का एक उद्देश्य उपेक्षित आपदाओं जैसे आग, सर्दियों आदि की ओर ध्यान दिलाना है जिनमें लाखों लोग प्रभावित होते हैं. तथा मीडिया के साथ ग्रामीण आपदाओं को और अधिक कवरेज देने के लिए प्रयास जैसे वो आम तौर पर शहरी आपदाओं के समय करता है|

आपदाओं के अंतर्निहित व्यवस्थित कारणों पर ध्यान देना:

गैर आपदा काल में व्यवस्थागत खामियों जैसे प्राकृतिक संसाधनों का अधिक दोहन, सामाजिक असमानता या आर्थिक प्रभाव पर काम करने के लिए कुछ ग्रामीण और शहरी संगठनों के साथ काम करना GARRD का प्रमुख अधिदेश होगा।

आपदा प्रतिक्रिया और तत्परता में कमी पर ध्यान देना और काम करना:

हम व्यवहारिक और प्रतिक्रियाशील दृष्टिकोण, मानकीकृत समाधान, आकस्मिक नियोजन की कमी और लोगों की रचनात्मकता और इच्छा के बहिष्कार को रोकने के लिए और कमियों को समझने के लिए हम 'सुनने, सीखने और लाभ उठाना' मॉडल के साथ कार्य करेंगे।

हमारे आपदा प्रतिक्रिया कार्य सिद्धांत

1. बदलाव से पहले सुधार···

2. स्थानीय सृजनात्मकता, सहयोग तथा करुणा को स्वर, दृश्यता तथा गति देना ।

3. गैर आपदा के समय समाज मे आपदा प्रबंधन के विचार का प्रचार करना।

4. पूर्व प्रतिबद्धता तथा आवश्यकता आधारित संसाधनों की प्रभावी तैनाती।

5. सुनने, सीखने और निरंतर सुधार करने की कार्यशाली का सृजन करना।

<u>कार्य क्षेत्र से जानकारी:</u>

राहत कोविद, चक्रवात अम्फान और निसारगा, असम और बिहार बाढ़

कोविद के दौरान, गूंज ने अपने बहु - हितधारक नेटवर्क को बढ़ाया जिससे कि विभिन्न राज्यों में सबसे अधिक उपेक्षित समुदाय एवं परिवारों तक 3 मिलियन किलो राशन और राहत किट को स्थानीय एवं अनुकूलित सहायता के साथ पहुँचा सके।

हमारी स्थानीय टीम भी तत्काल राहत प्रदान करने के लिए चक्रवात अम्फ़ान प्रभावित वेस्ट बंगाल और ओडिशा, चक्रवात निसारगा प्रभावित महाराष्ट्र और असम में दीर्घकालीन पुनर्वास प्रदान करने के लिए काम कर रही है।

लाखो लोगों की जिंदगी इनसे प्रभावित हुई है और महामारी की तेजी से बदलती प्रकृति और बारहमासी प्राकृतिक आपदाओं के हमले को देखते हुए हम लगातार अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव व नवीनीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं।

तत्काल राहत सहायता

- 3,00,000 + किलोग्राम राशन और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई गयी.
- 1,95,000+ परिवारों तक पहुँच
- 1,58,000+ तैयार भोजन चैनलाइज़ किया गया

साझेदारी

- 25 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशो में 390 से अधिक सहभागी संस्थाओ के साथ काम।
- उद्योग जगत, संगठनों, तथा व्यक्तियों के साथ व्यापक स्तर पर काम।

स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल

- 4,58,000+ फेस मास्क
- 1,93,000+ क्लॉथ सैनिटरी पैड
- 21,000+ अंडरगारमेंट्स
- 7,21,000+ अन्य आवश्यक वस्तुएं

कुल डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) परियोजनाएं 1,800+

- 700+ सब्जी बागान लगाए गए
- जल संसाधन का कुल क्षेत्र जिसे साफ / मरम्मत / बनाया गया

  तालाब क्षेत्र 1,38,000+ वर्ग मी

  बैक वाटर 32,000+ वर्ग मी

  नहर 63,000+ वर्ग मी

अब तक समर्थित 26 सामुदायिक रसोइयों के माध्यम से 1,91,000+ भोजन

किसानो से सीधे तौर पर 1,63,000 किलो से अधिक फल और सब्जिया खरीदी गयी।

<u>हमारा साथ दें:</u>

- सामग्री सहयोग के लिये - https://bit.ly/2yR000h
- राशि सहयोग के लिये- goonj.org/donate
- गूँज के लिए फण्ड रेजिंग कैंपेन शुरू करने के लिए हमे jibin@goonj.org पर मेल करे।

पिछली डिग्निटी डायरी:

- 1 July: आजीविका: आगे की राह के रूप में
- 16 July: माहवारी - कोविद के दौरान एक उपेक्षित विषय

  इन रिपोर्ट्स को पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें: http://bit.ly/2K1JH3e

वेबिनार और परिचर्चा

- आसाम में बाढ़ और भूस्खलन- फै डिसूज़ा के साथ चर्चा। -HTTP:/bitly/31c8w51
- सामूहिक सूझबूझ : ऊपर से नीचे तथा नीचे से ऊपर https://bit.ly/32xpifg
- अपना वादा जीते हुए (मीनाक्षी और अंशु गुप्ता के साथ) https://rb.gy/fjwjyq

संपर्क करे :

मुख्यालय : J-93, सरिता विहार, नई दिल्ली – 76 011-26972351/41401216